(c) whether the Development Councils have been entrusted with the task of suggesting remedies for all industrial ills?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) and (b) Important among the measures that have been taken to step up industrial production and increase exports are the following —

Devaluation of the rupee in June 1966 was expected to give impetus to exports by making our exports competitive in world markets

2 The devaluation was followed up by measures to liberalise imports, particularly in respect of priority industries Measures were also taken to allocate a large quantum of foreign exchange to non-priority industries and small scale industries Others earn import entitlements as per the current Import Trade Control Policy These entitlements vary from 5 per cent to 50 per cent of the export depending on the industries

3 Special measures have also been taken to encourage export of the products of the small scale industries such as the 'Export-Aid Industries' scheme started under the auspices of the State Trading Corporation

4 Some industries were exempted from the need to obtain industrial licences under the Industries (Development and Regulation) Act Diversification of production was permitted, within limit, in existing industries

(c) Functions of the Development Councils are given in the Second Schedule to the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 These functions are very wide and comprehensive in nature.

कोटा में शयन डिब्बों में स्थान

5025. **श्री डी० पी० यादव :**
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में कोटा में पिछले छ: महीनों में दो और तीन शायिकाओं वाले शयन-डिब्बों में स्थान पाने के लिए प्रतीक्षा-सूचियों में कितने व्यक्तियों के नाम दर्ज हुए थे,

(ख) उनमें से कितने व्यक्तियों को स्थान दिया गया था,

(ग) कोटा में 22 जून, 1967 को शयन डिब्बों में कितने स्थान उपलब्ध थे, और

(घ) प्रतीक्षा सूची में दर्ज कितने व्यक्तियों को स्थान दिया गया था ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० म० पनावा) (क) 902 ।

(ख) 582 ।

(ग) सोने के लिये तीन शायिकाएं ।

(घ) तीन ।

Supply of Rayon Yarn to Textiles Industry

5026 **Shri Chittaranjan Roy:**
Shri B K Daschowdhury:
Shri Ram Kishan:

Will the Minister of Commerce be pleased to state

(a) whether it is a fact that the spinners of the rayon yarn have stopped the supply of rayon yarn to the textile industry due to the increased excise duty,

(b) whether Government have received any representation from the textile manufacturers' association in this regard; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh) (a) and (b) Some complaints have been received by Government about the stoppage of rayon yarn supplies by the spinners as a result of the increases in the excise duties

(c) The whole matter is under the consideration of the Government

Transfer of Low Paid Railway Employees

5027. Shri M. L. Sondhi Will the Minister of **Railways** be pleased to state

(a) whether it is a fact that the Divisional Personnel Officer, Northern Railway, Delhi Division has issued transfer orders for the transfer of 600 low paid Railway employees immediately,

(b) if so whether the problem of housing and education for the children of the staff has been taken into consideration before issuing the order,

(c) whether the above order is in accordance with the instructions of the Railway Board, and

(d) if the reply to part (b) above be in the negative the reasons for not postponing the order till the next year?

The Minister of Railways (Shri C M Poonacha) (a) No

(b) to (d) *Does not arise*

श्रीलंका को कटपीस कपडे का निर्यात

5028. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री भक्त दास :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री रामजी राम :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि पिछले पांच वर्षों में श्रीलंका को भारतीय कट-पीस कपडे का निर्यात घटा है,

(ख) क्या इस का कारण यह है कि वहां बडी मात्रा में सूती कपडा तैयार किया जा रहा है,

(ग) क्या कट-पीस कपडे के निर्यात के संबंध में सरकार ने किसी अन्य देश के साथ बातचीत की है, और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और कटपीस कपडे का निर्यात घट जाने के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा की कितनी हानि हुई है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) (क) से (घ) यदि कटपीस के कपडे का आशय चिन्दिया और कपडे के टुकडे हैं तो विदेशी व्यापार के विवरण में इन मदों के श्रीलंका को निर्यात संबंधी आकडे अलग नहीं रखे जाते। कटपीस के कपडे का कुल निर्यात नगण्य है। विशेष रूप में कटपीस के कपडे के निर्यात के लिये किसी भी देश से कोई बातचीत नहीं हुई क्योंकि इस का निर्यात व्यापार नगण्य है। फिर भी 1965 से श्रीलंका को कपडे के थानों (पीस गुड्स) के निर्यात में कमी हुई है जो अंशत श्रीलंका की सरकार द्वारा स्थानीय कपडा उद्योग को संरक्षण देने के कारण हुई है और इस के अन्य कारण भी हैं जैसे कि मूल्य सीमायें तथा चीन और उन अन्य देशों के साथ, जिन के साथ श्रीलंका के द्विपक्षीय करार हैं, प्रतियोगिता ।